# विषिंजम में ट्यूना मत्स्यन के लिए जीवंत चारा मछली की उपलब्धता

## भूमिका

पोल आन्ड लाइन मत्स्यन केलिए जिवंत चारा मछलियों की माँग पडती है। स्किप जाक ट्यूना को पकडने केलिए पसिफिक, अटलांटिक और भारत महासागर में चारा मछलियों की कई जातियों का प्रयोग किया जाता है। चारा मछलियों में 34 कुटुम्बों की 230 जातियाँ पहचानी गई है। लक्षद्वीप, पोलआन्ड लाइन द्वारा ट्यूनाओं का व्यापक मत्स्यन होने वाला क्षेत्र है, वहाँ चारा मछलियों की कमी महसूस होने पर विषिंजम में इसकी अपलब्धता पर अध्ययन चलाया गया। अध्ययन काल मई 1986 से एप्रैल 1987 है। अध्ययन का परिणाम नीचे के अनुसार है।

### अनुयोग्य चारा मछली का मुख्य अभिलक्षण

ये नीचे के अनुसार है 1) अति प्रतिबिंबन होनेवाले पार्शव वश (2) भ्रमणशील स्वभाव (3) छोडने पर पोत में वापस आने की प्रवणता (4)6-8 से मी का लंबा अकार (5) प्रचुरता और आसानी से मिलना (6) संग्रहण स्थिति में अधिक समय जिंदा रहने की क्षमता।

**सारणी - 1 विषिंजम में बेटमछली की उपलब्धि और उनके मिलने का मौसम**

| कुटुम्ब | जाति | आकार मि मि में | मिलने का मौसम |
|---|---|---|---|
| सेसियोडिडे | *सेसियो सेयरल्लास्यू* | 85-145 | जनवरी-मार्च |
| एम्मेलिच्थिडे | *डिप्लोरिगोनोटस* | | |
| | *ल्यूकोग्रामिकस* | 43-57 | मार्च-अप्रैल |
| लाब्रिडे | *लाब्रोइड्सडियडस* | 35-45 | फरवरी-मार्च |
| पोमासेन्ड्रिडे | *पोमासेन्टस पावो* | 75-90 | फरवरी-मार्च |
| | *क्रोमिस सेरुलस* | 115-122 | जनवरी-मार्च |
| एपोगोनिडे | *एपोगोन सांगियेनासिस* | 112-115 | मार्च-अप्रैल |
| एथेशिनिडे | *प्रामिसस ड्यूओ डेसिमालिस* | 25-76 | अप्रैल-अक्तूबर |
| एम्बासिड | *एमबासिस जिम्नोसेफालस* | 20-88 | अक्तूबर-फरवरी |
| क्लूपिडे | *स्टोलेफोरस जातियाँ* | 10-140 | अप्रैल अक्तूबर |
| | *सारडिनेल्ला जातियाँ* | 20-215 | अप्रैल-अक्तूबर और दिसबर अक्तूबर-दिसबर |

**रिपोर्टर**

**पी.एस.बी.आर. जेम्स, एस. लाज़रस और सी.एस.जी. पिल्लै**

सी एम एफ आर आइ कोची, केरल

### विषिंजम से मिलनेवाली चारा मछलियाँ

विषिंजम और मिनिकॉय समान भूमध्यरेखा प्रदेश में स्थित

है ($8^0$22' 30" N और $76^0$ 59' 15" E)। इन दोनों क्षेतों में वर्णित अभिलक्षणयुक्त जिवंत चारा मछली पाई जाती है। स्टोलेफोरस और सारडिनेल्ला की जातियाँ और वाणिज्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण (नोन्नावु) के पश्च डिंभक व तरुण जो उचित चारा मछलियाँ है यहाँ से पूरे वर्ष में प्राप्त होती है। यहाँ की प्रवाल झाडियों में पोमासेंट्रिडे, अपोगोनिडे और लाब्रिडे कुटुम्ब की मछलियाँ भी छोटी मात्रा में पाई जाती है। विषिंजम में उपलब्ध चारा मछलियों का विवरण सारणी - 1 में दिया गया है।

**मुख्य शब्द/Keywords**

बेट मछली - bait fish/चारा मछली
पोल आन्ड लाइन - pole and line
स्टोलेफोरस - stolephorus
सारडिनेल्ला - sardinella
पोमासेंट्रिडे - pomacentridae
लाब्रिडे - labridae

## समुद्री मछलियों के बढ़त और प्रवास समझने को साटलैट अध्ययन

सी एम एफ आर आइ में मछलियों का प्रवास और बढत समझने को टैगिंग अध्ययन पहले भी चालू था। इसे अधिक प्रभावी बनाने को सी एम एफ आर आइ ने पोप - अप टैगों से येलोफिन ट्यूना का टैगन करके साटलैटों के ज़रिए अध्ययन करने की परियोजना में सहयोग दिया। INCOIS की निधिबद्धता से satellite telemetry studies on Migration pattern of Tuna in Indian seas नामक इस परियोजना से भारत का नाम पीत पख ट्यूनाओं के टैगन से साटलैट ट्रकिंग करनेवाले अग्रणी देशों में जोडा गया है।

*सी एम एफ आर आइ के कर्मी दल द्वारा येलोफिन ट्यूना का टैगन करने का दृश्य*